राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र हरियाणा में 15 सितंबर 2025 को हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC) हरियाणा द्वारा 15 सितंबर 2025 को वर्ष की दूसरी त्रैमासिक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया । 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा द्वारा हिंदी को केंद्र सरकार की आधिकारिक भाषा का दर्जा मिलने के परिणामस्वरूप हर वर्ष 14 सितंबर को देशभर में हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यशाला में हिन्दी भाषा के समृद्ध साहित्य का उल्लेख करने हेतु, इस कार्यशाला का विषय **विभिन्न काल के कवियों व संतों की काव्य रचनाएँ** रखा गया था।

इस कार्यशाला का उद्देश्य हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालों के प्रमुख कवियों की विख्यात रचनाओं के माध्यम से मानव जीवन के लिए दी गई सीखों को उजागर करना था ।

कार्यशाला की शुरुआत करते हुए राजभाषा हिंदी समिति की सदस्या, **श्रीमती जगनप्रीत कौर ब्रोका, उपनिदेशक (आई टी)** ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कार्यशाला के विषय एवं उद्देश्य के बारे में अवगत कराया । उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में अधिकतम प्रतिभागिता सुनिश्चित करने हेतु हरियाणा सचिवालय में पदस्थ अधिकारियों को अपनी इच्छानुसार काव्य रचनाओं का चयन करके उनकी व्याख्या तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया गया था । उन्होंने सभी अधिकारियों की उत्साहपूर्ण प्रतिभागिता के लिए उनका आभार व्यक्त किया ।

सभी अधिकारियों ने प्रेरक दोहे/चौपाइयाँ/काव्य रचनाएँ सुनाकर, उनकी व्याख्या करते हुए आज के संदर्भ में उस रचना द्वारा दी गई नैतिक सीख का महत्व समझाया । राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, हरियाणा राज्य केंद्र के सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों ने इन प्रस्तुतियों को दिलचस्पी से सुना एवं इनके द्वारा मिली शिक्षा को अपने जीवन में पालन करने का निर्णय लिया ।

कार्यशाला में उपस्थित **श्री सरबजीत सिंह**, **उपमहानिदेशक एवं राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी हरियाणा** ने भी प्रेरणादायी दोहा सुनाकर, उसकी व्याख्या करते हुए सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों को अपने कर्म को ईमानदारी एवं परोपकार की भावना के साथ करने की प्रेरणा दी। उन्होंने इस रोचक सत्र की प्रशंसा करते हुए हरियाणा सचिवालय में पदस्थ अधिकारियों के सार्थक प्रयास की सराहना की ।